

२२/०७/१५

पत्रावली प्राचीन रामेश्वरालास के अतिरिक्त तमकी  
 के हाथों-मा प्रामुख दुर्घ। प्राचीन न अक्षर  
 प्रस्तुत का सिद्ध है कि यह यद्यप्य  
 के मध्य शरीरगत है युक्त है अर्थात् प्रामुख  
 अक्षर तथा सिद्ध कावाता चर्च है  
 प्राचीनके नई पहचान करके नई ही  
 सुरेन्द्रकिं किंसा इत नई नई। अर्थात्  
 प्राचीनके के निवेदन-मा चर्च चर्च सिद्ध  
 कि जाते है अर्थात् कि- जाते है अर्थात्  
 का वरुमीन कर्चकर्च वाचिक एतल एतल  
 नंग के नंग ही।

रामेश्वरालास

Identified by  
 me (Signature)  
 22/7/2014

सहायक कलेक्टर (फाल्ड ट्रेक)  
 बँतारामगढ़ (सीकर)